वानिकी समाचार

अर्धवार्षिक

वर्ष 7 | जुलाई से दिसम्बर 2015 | अंक-2

श्री प्रकाश जावड़ेकर, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों का दौरा

- दिनांक 19 अक्टूबर 2015, काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (का.वि.प्रौ.सं.), बंगलुरू में अनुसन्धान क्रियाकलापों की समीक्षा करने हेतु दौरा किया। माननीय मंत्री जी ने इस अवसर पर बोलते हुए उपभोक्ताओं के लिए उपयुक्त और समाज–केन्द्रित अनुसन्धान कार्यों का विकास करने पर जोर दिया।

श्री प्रकाश जावड़ेकर, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू का दौरा

- दिनांक 16 नवम्बर 2015, वर्षा वन अनुसंधान संस्थान (व.व.अ.सं.), जोरहाट में उन्होने संस्थान द्वारा आयोजित **किसान सम्मेलन** में भाग लिया। उन्होंने संस्थान द्वारा किये गये अनुसन्धान एवं विकास क्रिया–कलापों से सम्बन्धित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने वैज्ञानिकों तथा अन्य अनुसन्धान कर्मियों के साथ विचार–विमर्श के साथ–साथ किसानों, वृक्ष उत्पादकों, बांस शिल्पियों, कारीगरों, अगर व्यवसायियों, जे.एफ.एम.सी. सदस्यों आदि से भी बातचीत की।

कार्यशालायें/संगोष्ठियां/बैठकें आदि

- बी.टी.एस.जी.–भा.वा.अ.शि.प. द्वारा राष्ट्रीय बांस मिशन के तहत राज्य बांस मिशन के निदेशकों को जागरूक तथा सुविज्ञ बनाने के लिए 1 जुलाई 2015 को **राष्ट्रीय बांस डाटाबेस वेब पोर्टल/साफ्टवेयर के उपयोजन** पर 20 राज्यों के प्रभागीय स्तर के कर्मचारियों के लिए 11 अगस्त 2015 तथा 29 दिसम्बर 2015 के बीच प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। साथ ही, 1 से 11 दिसम्बर 2015 तक उत्तराखण्ड के कुशल शिल्पियों के लिए गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा आदि का अभिज्ञता दौरा भी आयोजित किया गया।
- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (हि.व.अ.सं.), शिमला द्वारा निम्नलिखित कार्यशालाओं का आयोजन किया गया :
  - 10 जुलाई 2015 को डी.एस.टी., नई दिल्ली द्वारा निधिबद्ध अनुसन्धान परियोजना **ईको–वाश** के तहत प्राकृतिक जल स्रोतों के चारों ओर रोपण क्रिया–कलापों के बारे में मॉडल ग्राम, लाणाबांका में किसानों के साथ विचार–विमर्श हेतु बैठक।
  - 12 अगस्त 2015 को निचार, जिला किन्नौर (हि.प्र.) में एन.एम.पी.बी., नई दिल्ली द्वारा निधिबद्ध परियोजना के तहत अतीश (*एकोनीटम हेट्रोफाइलम*) तथा बनककड़ी (*पोडोफाइलम हेक्जांड्रम*) के संवर्धन हेतु एक दिवसीय बैठक एवं कैम्प कार्यशाला जिसमें निचार गांव के 34 भागीदार शामिल हुए।
- उष्णकटिबन्धीय वन अनुसन्धान संस्थान (उ.व.अ.सं.), जबलपुर द्वारा 13 अगस्त 2015 को **बांस कार्य मैन्युअल को अन्तिम रूप देने के लिए** एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- वन अनुसन्धान संस्थान, देहरादून द्वारा 21 और 22 सितम्बर 2015 को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित **भारत में वन पारगमन** पर भा.व.से. अधिकारियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- वन आजीविका एवं विस्तार केंद्र (व.आ.वि.के.), अगरतला, त्रिपुरा द्वारा निम्नलिखित कार्यशालाओं का आयोजन किया गया :
  - **बांस प्रवर्धन, परिरक्षण तथा मूल्य – संवर्धन पर कौशल उन्नयन तथा उद्यमशीलता के विकास** पर 13 से 17 जुलाई 2015 तक तथा 04 अगस्त 2015 को कार्यशालायें।
  - 25 अगस्त 2015 को **10 सामान्य बीमारियों के इलाज के लिए औषधीय पादप संघटकों का प्रलेखीकरण** पर बैठक एवं कार्यशाला।

व.आ.वि.के., अगरतला द्वारा बांस प्रवर्धन, परिरक्षण और मूल्य – संवर्धन हेतु कौशल उन्नयन तथा उद्यमशीलता के विकास के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- बिहार राज्य के लिए नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा निधिबद्ध **समुदाय आधारित समन्वित वन प्रबन्धन एवं संरक्षण योजना** के अन्तर्गत **बिहार में पॉपलर रोपण के जरिये सामाजिक – आर्थिक विकास** पर पटना में 29 सितम्बर 2015 को समापन कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- दिनांक 22 तथा 23 नवम्बर 2015 को व.अ.सं., देहरादून द्वारा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा निधिबद्ध **राष्ट्रीय कार्ययोजना कोड – 2014** प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

- वन अनुसन्धान संस्थान (व.अ.सं), देहरादून द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए :
  - 135 ईको टास्कफोर्स प्रादेशिक सेना, असम के लिए 6 से 10 जुलाई 2015 तक **वानिकी प्रबन्धन** पर अल्पकालिक प्रशिक्षण।

- 13 से 15 जुलाई 2015 तक इफको के अधिकारियों और कार्यक्षेत्रीय प्रबन्धकों के लिए वन संवर्धन पर अल्पकालिक प्रशिक्षण।
- ***लैंटाना कमारा* से हस्तनिर्मित कागज** बनाने हेतु 24 से 28 अगस्त 2015 तथा 2 से 6 नवम्बर 2015 तक स्वावलम्बी वर्ग, रामगढ़ सीकरी, होशियारपुर के लिए डी.एस.टी. प्रायोजित दो प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- दिनांक 14 से 18 दिसम्बर 2015 तक एन.आई.डी.एम., नई दिल्ली के भागीदारों के लिए **वन अग्नि आपदा जोखिम न्यूनीकरण** पर अल्पकालिक प्रशिक्षण।

✠ सामाजिक वानिकी तथा पारि–पुनर्स्थापन केंद्र (सा.वा.पा.पु.कें.), इलाहाबाद द्वारा 02 से 06 नवम्बर 2015 तक उत्तर–प्रदेश के किसानों के लिए **बांस की व्यावसायिक खेती : रोपण एवं बिक्री विधियां** पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

✠ वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान (व.आ.वृ.प्र.सं.), कोयम्बटूर द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए :

- दिनांक 23 एवं 24 जुलाई 2015 को भा.व.से. अधिकारियों के लिए **बायोप्रास्पेक्टिंग – राज्य वन विभाग की भूमिका** पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित **वन आनुवंशिकी संसाधन प्रबन्धन** पर भा.व.से. अधिकारियों के लिए 10 से 14 अगस्त 2015 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- वन विभाग के कार्मिकों, किसानों आदि के लिए जैव उर्वरक उत्पादन तथा पौधशाला और कार्यक्षेत्र में अनुप्रयोग पद्धतियों पर 04 सितम्बर 2015 को प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम।
- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा निधिबद्ध **कृषि वानिकी मॉडल्स–स्थापना एवं प्रबन्धन** पर 14 से 16 अक्टूबर 2015 तक अन्य सेवा कार्मिकों के लिए तथा 18 से 20 नवम्बर 2015 तक सहायक प्रोफेसर तथा कृषि अधिकारियों आदि के लिए दो तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- विभिन्न किसानों, महिला स्वावलम्बी वर्ग, एन.जी.ओ. तथा गुडालुर क्षेत्र की नीलगिरी पहाड़ियों के वृक्ष उत्पादकों के लिए 21 से 23 अक्टूबर 2015 तक जैव उर्वरक उत्पादन तथा पौधशाला और कार्यक्षेत्र में अनुप्रयोग हेतु प्रदर्शन एवं विचार–विमर्श बैठक।

✠ का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू द्वारा 20 से 24 जुलाई 2015 तक काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर केन्द्रीय राज्य वन सेवा अकादमी, कोयम्बटूर के 2014–15 बैच के 32 रेंज अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरु द्वारा काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

✠ उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए :

- दिनांक 01 और 02 दिसम्बर 2015 को राउरकेला, ओडीशा में स्टील अथारिटी आफ इन्डिया लिमिटेड के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए **वनीकरण से कार्बन पृथक्करण** पर।
- दिनांक 29 और 30 दिसम्बर 2015 को महाराष्ट्र राज्य वन विभाग के कार्मिकों के लिए **जैव उर्वरक उपयोजन** पर।

✠ वानिकी अनुसंधान एवं मानव संसाधन विकास केंद्र (वा.अ.मा.सं.वि.के.), छिंदवाड़ा द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए :

- ग्राम कारोबोह, जिला छिन्दवाड़ा में किसानों और ग्रामीणों के लिए 25 अगस्त 2015 को **जैव उर्वरक एवं कार्बनिक कृषि** पर।
- 26 नवम्बर 2015 को राज्य वन विभाग के कर्मियों के लिए **वन पौधशालाओं एवं रोपणियों के रोग एवं नाशीकीट तथा उनका प्रबन्धन** पर।
- दिनांक 22 दिसम्बर 2015 को मैसीडांड गांव में किसानों / ग्रामीणों के लिए **परती भूमियों का उपयोजन** पर।

✠ व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन किए गए :

- बांस हस्तशिल्प (उपभोक्ताओं से सीधा सम्पर्क योजना के अंतर्गत) पर संस्कृति एवं ग्रामीण विकास संस्थान (आई–सी.ए.आर.डी.), बाघछंग, जोरहाट के 21 प्रशिक्षणार्थियों के लिए 27 जुलाई से 8 अगस्त 2015 तक तथा सेनापति (मणिपुर) एवं कार्बी–आंगलांग (असम) जिलों के 27 प्रशिक्षणार्थियों के लिए 2 से 13 नवम्बर 2015 तक प्रशिक्षण एवं कार्यशाला।
- 27 सितम्बर 2015 को सेवा केन्द्र (एन.जी.ओ.), डिब्रूगढ़ के 38 किसानों को लाख की खेती, बांस तकनीक प्रसार एवं पौधशाला प्रबन्धन पद्धतियों, विभिन्न उत्पाद विकास क्रिया–कलापों तथा बांस उपचार पर बांस कम्पोजिट केन्द्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- **ग्रामीण युवकों की जीविकोपार्जन क्षमता बढ़ाने के लिए** सारथी क्रो तथा रोंगचेहर गांव, डोल्मारा, जिला कार्बी –आंगलांग, असम के प्रशिक्षणार्थियों के लिए 2 से 13 नवम्बर 2015 तक प्रशिक्षण।

व.व.अ.सं, जोरहाट में बांस हस्तशिल्प पर प्रशिक्षण एवं कार्यशाला

- 13 नवम्बर 2015 से मणिपुर के सेनापति तथा इम्फाल जिलों के भागीदारों के लिए **बांस शिल्प एवं जागरूकता कार्यक्रम** पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम।

- व.आ.वि.के., अगरतला द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए :
  - 01 सितम्बर 2015 को अनन्य एस.एच.जी. के प्रशिक्षणार्थी कारीगरों के लिए **बांस हस्तशिल्प तथा आभूषण** पर।
  - 11 सितम्बर 2015 को **बांस प्रवर्धन, परिरक्षण, मूल्य – संवर्धन हेतु कौशल उन्नयन तथा उद्यमशीलता के विकास** के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।
  - 02 दिसम्बर 2015 को **बांस उपचार तकनीक** तथा *ट्राईबाम* (उपचारित बांस) पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला आयोजित किए गए :
  - पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की योजना **अन्य सेवाओं के कार्मिकों के प्रशिक्षण** के तहत 7 से 9 सितम्बर 2015 तक विभिन्न विभागों के कार्मिकों के लिए **उत्पादकता वृद्धि हेतु रोपण स्टॉक सुधार कार्यक्रम** पर।
  - राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा निधिबद्ध अनुसन्धान परियोजना के तहत लाहौल–स्पीति के 52 उन्नतशील किसानों तथा लाहौल वन विभाग के अग्रगामी कर्मचारियों को औषधीय–पादपों की संवृद्धि तथा संरक्षण के लिए जागरूक करने हेतु उदयपुर, लाहौल (हि.प्र.) में 26 सितम्बर 2015 को।

हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा औषधीय–पादपों की खेती हेतु प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

  - पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन द्वारा प्रायोजित **अन्य हितधारकों के लिए औषधीय पादपों की खेती** पर वन्यजीव इंटरप्रेटेशन तथा सूचना केन्द्र, मनाली, जिला कुल्लु (हि.प्र.) में 19 से 21 अक्टूबर 2015 तक।
  - 20 और 21 नवम्बर 2015 को विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, भारत सरकार द्वारा **ईको–वाश** पर निधिबद्ध परियोजना के अन्तर्गत लाणाबांका गांव, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश के 25 किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अभिज्ञता दौरा।

हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा बांस उत्पादन, प्रबन्धन एवं विपणन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

  - 14 से 18 दिसम्बर 2015 तक बांस तकनीकी सहायता वर्ग योजना के राष्ट्रीय बांस मिशन के तहत **बांस की खेती, प्रबन्धन एवं विपणन** पर हिमाचल प्रदेश के किसानों के लिए।
- व.उ.सं., रांची में ऊर्जा अनुसन्धान संस्थान (टेरी), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित तीन दिवसीय अभिज्ञता दौरा **कृषि, हरीतिमा, प्रशिक्षण क्षमतावृद्धि तथा आय सृजन कार्यक्रम** के तहत 29 से 31 जुलाई 2015 तक नेटुरिया ब्लॉक, पुरूलिया, प. बंगाल के किसानों तथा वन आधारित समुदायों के लिए आयोजित किया गया।

विदेशी बैठकों/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों आदि में भागीदारी

- डॉ. राजीव पाण्डे, वैज्ञानिक–ई, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने 20 से 22 जुलाई 2015 को **मोडिस उत्पादों पर विशेष रूप से केन्द्रित एस. ई.आर.वी.आई.आर., साईन्स अनुप्रयोग** पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण कोर्स में भाग लेने हेतु काठमाण्डु, नेपाल का दौरा किया।
- डॉ. एन. एस. बिष्ट, निदेशक (आई.सी.), भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने 25 से 31 जुलाई 2015 तक **भूमि उपयोग विज्ञान (फॉरेस्ट प्लस) तकनीकी सहायता कार्यक्रम में सहभागिता के तहत निर्वनीकरण से उर्त्सजन को कम करने तथा वन निम्नीकरण पर नीति विनिमय करने हेतु** यू.एस.ए. का दौरा किया।
- डॉ. विनीत कुमार, वैज्ञानिक–एफ, वन अनुसन्धान संस्थान, देहरादून ने 1 जुलाई 2015 से 31 अगस्त 2015 तक **डी.ए.ए.डी रिइन्वेंसन कार्यक्रम** के तहत खाद्य रसायन, तकनीकी विश्वविद्यालय ब्रानशिविग संस्थान बॉन्न, जर्मनी का दौरा किया।
- डॉ. के. पी. सिंह, वैज्ञानिक–डी, व.अ.सं., देहरादून ने 17 से 22 सितम्बर 2015 तक **10वीं विश्व बांस कांग्रेस – 2015** में भाग लेने हेतु दम्यांग, कोरिया का दौरा किया।
- श्री एम. श्रीनिवास राव, वन संरक्षक तथा डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, वैज्ञानिक–ई, का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू ने 21 से 25 सितम्बर 2015 तक **चन्दन काष्ठ तथा औषधीय पादप** पर सम्मेलन में भाग लेने के लिए हनोई, वियतनाम का दौरा किया।
- डॉ. के. के. पाण्डे, वैज्ञानिक–जी, का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू ने 22 से 30 सितम्बर 2015 तक **यू.एन.ई.पी.–ई.ई.ए.पी. बैठक** में भाग लेने हेतु पर्थ, आस्ट्रेलिया का दौरा किया।
- डॉ. बी. नागराजन, वैज्ञानिक–एफ तथा डॉ. मधुमिता दासगुप्ता, वैज्ञानिक–एफ, व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर ने 19 से 25 अक्टूबर 2015 तक यूक्लिप्ट – 2015 पर आई.यू.एफ.आर.ओ. सम्मेलन में भाग लेने हेतु झांजियांग, चीन का दौरा किया।
- डॉ. मीना बख्शी, वैज्ञानिक – ई, व.अ.सं., देहरादून ने 21 से 24 अक्टूबर 2015 तक **आई.यू.एफ.आर.ओ. यूकेलिप्टस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन** में भाग लेने हेतु चीन का दौरा किया।
- डॉ. टी. पी. सिंह, सहायक महानिदेशक (बी.सी.सी.), भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने 16 नवम्बर 2015 को यू.एन.सी.सी.डी. की बैठक **पार्टीज सम्मेलन (सी.ओ.पी.–21)** में भाग लेने हेतु तुर्की का दौरा किया।
- डॉ. आर. के. वोरा, वैज्ञानिक–ई, व.व.अ.सं., जोरहाट ने 17 नवम्बर 2015 को आयोजित **विश्व इन्टेन्स रिपाप्यूलेशन एलाईन्स ताईवान** में भाग लेने हेतु ताईवान का दौरा किया।
- डॉ. मनीषा थपलियाल, वैज्ञानिक–ई, व.अ.सं., देहरादून ने 17 से 19 नवम्बर 2015 तक व.अ.सं., मलेशिया एलांगूर, मलेशिया में क्षमता विकास

के लिए आई.यू.एफ.आर.ओ. विशेष कार्यक्रम के तहत **वन विज्ञान में सुव्यवस्थित समीक्षा** हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।

- डॉ. अश्वनी कुमार, महानिदेशक; डॉ. जी. एस. गोराया, उप महानिदेशक (अनुसन्धान) तथा डॉ. टी. पी. सिंह., सहायक महानिदेशक (बी.सी.सी.), भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने 05 से 11 दिसम्बर 2015 तक **21वें पार्टीज (सी.ओ.पी.) सम्मेलन** में भाग लेने हेतु पेरिस, फ्रांस का दौरा किया।
- डॉ. वी. शिव कुमार, वैज्ञानिक–ई, व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर ने 08 से 11 दिसम्बर 2015 तक **तीसरी ए.सी.एम.ई.सी.एस. जैव ऊर्जा 2015** में भाग लेने हेतु थाईलैन्ड का दौरा किया।
- आर. एस. सी. जयराज, निदेशक, व.व.अ.सं., जोरहाट; डॉ. टी. पी. सिंह., सहायक महानिदेशक (बी.सी.सी.); डॉ. शिल्पा गौतम, वैज्ञानिक–डी तथा डॉ. आर. एस. रावत, वैज्ञानिक–सी, भा.वा.अ.शि.प. ने **हिमालय में संचार, सहभागिता और आर.ई.डी.डी. प्लस के अनुवीक्षण की रणनीतियां** विकसित करने हेतु पहली क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लेने के लिए काठमाण्डु, नेपाल का दौरा किया।

अनुसन्धान निष्कर्ष

- **उ.व.अ.सं., जबलपुर** के वैज्ञानिकों ने थोमीसिडी कुल के तहत वंश के स्तर पर *बोमिस* प्रजाति की नई मकड़ी का पता लगाया है।
- **व.अ.सं., देहरादून** के वैज्ञानिकों ने *फाईकस रॉक्सबर्घाई* के पत्तियों में गांठे बनाने वाले सिलिड्स *पैरोप्सेला फाईसीकोला* की एक नई परजीवी प्रजाति *एप्रोस्टोसीटस* का पता लगाया है।
- **शु.व.अ.सं., जोधपुर** ने पता लगाया है कि 1, 2, 3, 4 से.मी. के चार आकारों के तीन कट–किस्मों (अनुप्रस्थ, ऊर्ध्वाधर तथा तिर्यक) के 12 संभावित संयोजनों में से बिना वृद्धि कारक का उपयोग किए *कॉमीफोरा विघटी* के 4 से.मी. के अनुप्रस्थ कट में गोंद का उत्पादन सबसे अधिक होता है। साथ ही, नौ महीने बाद भी किसी उपचारित पादप को कोई हानि नहीं हुई है। गोंद उत्पादन तथा घेरा आकार में भी महत्वपूर्ण सकारात्मक सम्बन्ध पाया गया है।
- **शु.व.अ.सं., जोधपुर** ने गुजरात राज्य में सागौन के लिए निम्नलिखित आयतन समीकरण विकसित किये हैं :

  वल्कल के ऊपर कुल आयतन =
  $-0.007532+0.0000386848106*D^2*H$
  वल्कल के भीतर कुल आयतन =
  $-0.014092+0.0000285536204*D^2*H$
  वल्कल के ऊपर प्रकाष्ठ =
  $-0.0128013+0.0000289325445*D^2*H$
  वल्कल के भीतर प्रकाष्ठ =
  $-0.091108+0.0000222386203*D^2*H$
- **हि.व.अ.सं., शिमला** ने एक जारी परियोजना के तहत पता लगाया है कि *थाईसेनोप्लूसिया ओरीचेल्सिया*, जो आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण औषधीय पादप *सौसूरिया* प्रजाति को प्रभावित करता है, के अभिज्ञान एवं प्रभावी नियंत्रण के लिए लाईट ट्रैप का उपयोग किया जा सकता है।
- **व.व.अ.सं., जोरहाट** ने उत्तर–पूर्वी भारत की विभिन्न भू–उपयोजन पद्धतियों में मृदीय कीट–रोगजनक फंजाई (ई.पी.एफ.) के वैविध्य का अध्ययन करते हुए तथा *मेलीना आर्बोरिया* रॉक्सब तथा *एक्वीलेरिया मैलासेन्सिस* लेम्क के मुख्य निष्पत्रकों के प्रबन्धन में उनकी उपयोगिता के अंतर्गत अलक्षित आर्गेनिज्म खासकर लाभदायी कीटों की सुरक्षा में फंगल रोगजनकों के सुरक्षित होने पर परीक्षण किया।

  ई.पी.एफ. के मुख्य आइसोलेट्स *ब्यूवेरिया बेसियाना, मेटाराईजियम एनीसोपली, वर्टीसीलियम लेकानाई* तथा *पेईसिलोमाईसिस* का परीक्षण ईरी सिल्कवर्म, *सामिया रीसीनी* के विरूद्ध सुरक्षित होने के लिए किया गया और पता चला कि किसी भी फंगल आईसोलेट ने सिल्कवर्म के लार्वा को प्रभावित नहीं किया।

प्रतिष्ठित व्यक्तियों का दौरा

- श्री अनिरवन राय, क्षेत्रीय सलाहकार, ब्रिटिश डिप्टी हाई कमीशन, कोलकत्ता द्वारा व.व.अ.सं., जोरहाट में 30 सितम्बर 2015।
- डॉ. के. दिलीपन, प्रधान कीटविज्ञानी, आक्रामक पादप विज्ञान जैव सुरक्षा क्वीन्सलैंड, कृषि विभाग, मत्स्य तथा वानिकी, पारिविज्ञान प्रीसिंक्ट, ब्रिसबेन आस्ट्रेलिया द्वारा 20 से 22 अक्टूबर 2015 तक व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर।
- प्रो. जोरमा न्यूवोनेन, ब्रिटिश कोलम्बिया विश्वविद्यालय, वैंक्यूवर, कनाडा द्वारा 2 नवम्बर 2015 को का.वि.प्र.सं., बंगलुरू।
- श्री कामाख्या प्रसाद ताशा, माननीय संसद सदस्य, जोरहाट संसदीय क्षेत्र, असम द्वारा 13 नवम्बर 2015 को व.व.अ.सं., जोरहाट।
- श्री बाली भगत, माननीय वन मंत्री, जम्मू–कश्मीर सरकार एवं श्री ए. के. सिंह, पी.सी.सी.एफ., जम्मू–कश्मीर का दिनांक 22 दिसम्बर 2015 को का. वि.प्रौ.सं., बंगलुरू का दौरा।

प्रकाशन

- भा.वा.अ.शि.प. के जैवविविधता एवं जलवायु परिवर्तन प्रभाग ने निम्नलिखित प्रलेख / पुस्तकें प्रकाशित की :
  - **इलूसिडेशन ऑफ द सिक्सथ नेशनल रिपोर्ट** द्वारा श्री शैवाल दासगुप्ता, उप महानिदेशक (विस्तार), डॉ. टी. पी. सिंह, सहायक महानिदेशक (बी.सी.सी.), डॉ. आर. एस. रावत, वैज्ञानिक – सी, भा.वा.अ.शि.प. तथा डॉ. ललित कुमार शर्मा, परामर्शी।
  - **भारत के वानिकी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण तथा अनुकूलन** द्वारा डॉ. टी. पी. सिंह, सहायक महानिदेशक (बी. सी.सी.), श्री वी. आर. एस. रावत, वैज्ञानिक–एफ तथा डॉ. आर. एस. रावत, वैज्ञानिक – सी, भा.वा.अ.शि.प.।
- व.आ.वृ.प्र.सं, कोयम्बटूर ने निम्नलिखित मैन्यूअल्स / कार्यवाहियां प्रकाशित की :
  - प्रशिक्षण मैन्युअल **भारत में वन संसाधन : जैव पूर्वेक्षण में सुअवसर**।
  - **कृषि वानिकी मॉडल – स्थापना एवं प्रबन्धन** पर प्रशिक्षण मैन्युअल।
  - 29 नवम्बर 2013 को आयोजित वृक्ष बीज विज्ञान एवं संवर्धन कार्यशाला की कार्यवाहियां।
- उ.व.अ.सं., जबलपुर ने **जैवविविधता अधिनियम 2002 : वैज्ञानिक समुदाय के लिए बाधायें और सुअवसर** पर की गई कार्यशाला की कार्यवाहियां।

परामर्शी सेवायें

- प्रभावशाली पर्यावरणीय प्रबन्धन के लिए विभिन्न हितधारकों को वैज्ञानिक परामर्श देने की प्रक्रिया में भा.वा.अ.शि.प., देहरादून द्वारा निम्नलिखित क्रिया–कलाप किये गये :
  - सारंडा क्षेत्र, जिला सिंहभूम, झारखंड के वहन क्षमता अध्ययन पर पहली अन्तरिम रिपोर्ट को तैयार करना तथा प्रस्तुत करना।

- कर्नाटक में आर. एण्ड आर. योजना के अंतर्गत श्रेणी "सी" माईन्स पर पंद्रह रिपोर्टो को कर्नाटक सरकार तथा भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के सी.ई.सी. को प्रस्तुत किया गया।
- उत्तराखंड में यमुना एवं उसकी सहायक नदियों में जल विद्युत परियोजनाओं के संचयी पर्यावरण समाघात आकलन पर अन्तिम रिपोर्ट उत्तराखंड सरकार, देहरादून को प्रस्तुत की गई।
- हिमाचल प्रदेश में सतलज नदी पर जल विद्युत परियोजनाओं के सम्बन्ध में संचयी पर्यावरणीय समाघात अध्ययन की अन्तिम ड्राफ्ट रिपोर्ट को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया।
- विष्णुगाड पीपलकोटी जल विद्युत पावर परियोजना (444 एम.डब्ल्यू.), जिला चमोली उत्तराखण्ड के आवाह क्षेत्र जलसम्भरण को तीसरे पक्ष के द्वारा मॉनीटर करने हेतु टी.एच.डी.सी.एल., ऋषिकेश द्वारा भा.वा.अ.शि.प., देहरादून को नई परामर्शी दी गई।
- नॉर्थ ईस्टर्न कोलफील्ड्स, मार्गरीता, असम के सम्बन्ध में जैवविविधता प्रबन्धन योजना, कार्यक्षमता अध्ययन, क्षेत्रीय वन्यजीव योजना की परामर्शी परियोजना 16 सितम्बर 2015 को व.व.अ.सं., जोरहाट को दी गई।

✠ शु.व.अ.सं., जोधपुर द्वारा एक परामर्शी परियोजना **वानिकी वृक्ष प्रजातियों की वृद्धि के लिए उच्च टीडीएस उपचारित बहिस्रावित जल की उपयुक्तता** के अंतर्गत वानिकी वृक्ष प्रजातियों को उगाने के लिए जसोल और बालोतरा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित छोटे उद्योगों से उत्पन्न उपचारित अपशिष्ट जल के प्रयोग पर तकनीकी मार्गदर्शन/रिपोर्ट उपलब्ध कराया जाएगा। यह परियोजना जसोल जल प्रदूषण नियंत्रण और उपचार न्यास और बालोतरा जल प्रदूषण नियंत्रण उपचार अनुसंधान फाउन्डेशन न्यास, बालोतरा, राजस्थान द्वारा निधिबद्ध थी।

✠ **विभिन्न परामर्शों के तहत महत्वपूर्ण बैठकें**

- **जिला पश्चिमी सिंहभूम, झारखंड के सारंडा क्षेत्र में वर्तमान क्षमता अध्ययन** के लिए भा.वा.अ.शि.प. टीम के सदस्यों तथा विशेषज्ञों के कार्यकारी वर्ग की 3 जुलाई 2015 को देहरादून में बैठक।
- आर.एण्ड आर. योजना, बी.सी.टी., कर्नाटक के सम्बन्ध में 17 जुलाई 2015 को निदेशक, खनन एवं भू–विज्ञान, कर्नाटक सरकार के साथ बैठक।
- हि.प्र. में **सतलज घाटी के एच.ई.पी. के सी.ई.आई.ए.** से सम्बन्धित विभिन्न मामलों पर विचार–विमर्श करने तथा अन्तिम रूप देने के लिए भा.वा.अ.शि.प. के सदस्यों की सतलज घाटी, हि.प्र. के सी.ई.आई.ए. अध्ययन हेतु 23 जुलाई 2015 को देहरादून में बैठक।

भा.वा.अ.शि.प., देहरादून में सतलज घाटी के सी.ई.आई.ए. अध्ययन हेतु कार्यवर्ग की बैठक

- एन.जी.टी. से प्राप्त उप समिति की रिपोर्ट के आधार पर रिपोर्ट को अन्तिम रूप देने के लिए सी.पी.सी.बी., नई दिल्ली में 27 जुलाई 2015 को मुख्य समिति की बैठक की गई।
- आर.एण्ड आर. योजना, बी.सी.टी., कर्नाटक परियोजना के तहत 'सी' श्रेणी की 15 खानों के सम्बन्ध में सचिव सी तथा आई, कर्नाटक सरकार ने बैठक एवं आर.एण्ड.आर योजना को तैयार करने के लिए माननीय उच्चतम न्यायालय (भारत) की सी.ई.सी. द्वारा नई दिल्ली में 8 सितम्बर 2015 को बैठक का आयोजन किया।
- पुनरूधार कार्य तथा आई.वी.एम., कोलकाता तथा सारंडा की कार्यक्षमता के सम्बन्ध में सी.आई.एल., कोलकाता में क्रमशः 4 और 5 नवम्बर 2015 को बैठक की गई।
- मुख्य सचिव, कर्नाटक सरकार की अध्यक्षता में आर. एण्ड आर. योजना के सम्बन्ध में 17 नवम्बर 2015 को बंगलुरू में बैठक की गई।
- कोल इन्डिया लिमिटेड परियोजना के सम्बन्ध में 2 दिसम्बर 2015 को व.उ.सं., रांची में प्रारम्भिक एवं मूल्यांकन बैठक की गई।

प्रदर्शन

✠ उ.व.अ.सं., जबलपुर तथा वा.अ.मा.सं.वि.कें., छिंदवाडा द्वारा 20 प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किये गये। इन प्रदर्शन कार्यक्रमों में विभिन्न प्रभागों के अनुसन्धान क्रियाकलापों को आगंतुकों को दिखाया गया।

✠ व.अ.सं., देहरादून ने 8 अक्टूबर 2015 को हन्डेसरा (मोहाली) में "मेलिया, आंवला तथा औषधीय पादपों के कृषि वानिकी मॉडलों के विकास" पर जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया।

स्वच्छ भारत अभियान

✠ महात्मा गांधी के 146वें जन्मदिन के अवसर पर भा.वा.अ.शि.प., देहरादून में **स्वच्छ भारत अभियान** मनाया गया।

महात्मा गांधी के 146वें जन्मदिन के अवसर पर भा.वा.अ.शि.प., देहरादून में स्वच्छ भारत अभियान का आयोजन

विविध

✠ व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर के इन्विस केन्द्र में 9 अगस्त 2015 को **विश्व के देशज लोगों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस** मनाया गया।

✠ 31 अगस्त 2015 को **पादप प्रजनन में द्विभागीकरण : वैविध्य तथा समरूपता** पर व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर में डॉ. एस. केदारनाथ मेमोरियल व्याख्यान (के.एम.एल.–2015) का तीसरा संस्करण आयोजित किया गया जिसमें कुल 140 भागीदार शामिल हुये।

✠ व.अ.सं., देहरादून ने 9 सितम्बर 2015 को **हिमालयन दिवस** मनाया जिसका विषय था "सबका हिमालय"।

✠ भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों द्वारा **ओजोन परत के परिरक्षण हेतु अन्तर्राष्ट्रीय दिवस** का आयोजन किया गया :

- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर द्वारा ओजोन परत को परिरक्षित करने हेतु वियाना अवधारणा की 30वीं वर्षगांठ के समारोह का आयोजन एन्विस केंद्र में किया गया।

- शु.व.अ.सं., जोधपुर में भी 16 सितम्बर 2015 को खेजराली कलां, जोधपुर में ओजोन परत संरक्षण दिवस मनाया।

✠ वन तथा वन्यजीवों की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वन कर्मियों की याद में ब्रैन्डिस रोड, व.अ.सं., देहरादून में 11 सितम्बर 2015 को **राष्ट्रीय वन शहीद दिवस** मनाया गया।

व.अ.सं., देहरादून में वन शहीद दिवस का आयोजन

✠ व.आ.वि.के., अगरतला ने नोवागांव, त्रिपुरा में 18 सितम्बर 2015 को **विश्व बांस दिवस** मनाया जिसमें किसानों को बांस से सम्बन्धित विभिन्न क्रिया–कलापों के बारे में बताया गया।

✠ व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर के वन आनुवंशिकी संसाधन एवं वृक्ष सुधार इन्विस केन्द्र में 4 दिसम्बर 2015 को **विश्व मृदा दिवस** मनाया गया।

✠ व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर के वन आनुवंशिकी संसाधन एवं वृक्ष सुधार इन्विस केन्द्र, तमिलनाडु में 11 दिसम्बर 2015 को **अन्तर्राष्ट्रीय पर्वतीय दिवस 2015** मनाया गया।

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर में अन्तर्राष्ट्रीय पर्वतीय दिवस 2015 का आयोजन

✠ व.अ.सं., देहरादून, शु.व.अ.सं., जोधपुर, हि.व.अ.सं., शिमला, व.उ.सं., रांची तथा सा.वा.पा.पु.कें., इलाहाबाद में **वन महोत्सव** मनाया गया।

✠ उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा 28 सितम्बर 2015 को डॉ. एम. सी. शर्मा, ए.पी.सी.सी.एफ. (कार्ययोजना), मध्य प्रदेश द्वारा प्रदान किए गए समृद्ध टिकट संग्रह जिसमें 150 वर्षों से भी अधिक पुराने टिकट हैं को वन संग्रहालय एवं इंटरप्रेटेशन केन्द्र में शामिल किया गया।

डॉ. एम. सी. शर्मा, ए.पी.सी.सी.एफ. (कार्ययोजना) म.प्र., एफ.एम.आई.सी., उ.व.अ.सं., जबलपुर में संग्रह के प्रदर्शन हेतु रिबन काटते हुए

✠ भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों द्वारा **सतर्कता जागरूकता सप्ताह** का आयोजन निम्नानुसार किया गया जिसके अंतर्गत शपथ ग्रहण के अलावा विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं :

- व.अ.सं., देहरादून में 27 से 31 अक्टूबर 2015 तक
- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर में 26 से 31 अक्टूबर 2015 तक
- व.व.अ.सं., जोरहाट में 24 से 30 अक्टूबर 2015 तक
- शु.व.अ.सं., जोधपुर में 26 से 31 अक्टूबर 2015 तक
- हि.व.अ.सं., शिमला में 26 से 30 अक्टूबर 2015 तक
- व.उ.सं., रांची में 26 से 30 अक्टूबर 2015 तक

पुरस्कार

✠ सर्वश्री प्रवीण कुमार वर्मा, निरेन दास, पी. के. कौशिक, वी. कुमार तथा आलोक यादव, व.व.अ.सं., जोरहाट की टीम को उनके अनुसन्धान प्रलेख ***गुआडुआ एंगुस्टीफोलिया* कुंथ – वाणिज्यिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बांस का वायु परतीकरण के जरिये वनस्पतिक प्रसार** पर प्रतिष्ठित ब्रैन्डिस अवार्ड 2013 दिया गया। इस प्रलेख को दिसम्बर, 2013 में *द इन्डियन फॉरेस्टर* में प्रकाशित किया गया था।

आकाशवाणी तथा दूरदर्शन द्वारा वानिकी को लोकप्रिय बनाना

✠ भा.वा.अ.शि.प. के अधीनस्थ संस्थानों द्वारा रेडियो वार्ता/दूरदर्शन के प्रसारण के जरिये निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की गई :

हि.व.अ.सं., शिमला – दूरदर्शन पर उत्तर–पश्चिमी हिमालय के औषधीय पादपों पर सीधी बातचीत।

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर –

- बीज उत्पादन तथा बीज प्रहस्तन प्रक्रिया पर रेडियो वार्ता (तमिल में),
- जैव उर्वरक तथा वृक्ष फसलों में रोग प्रबन्धन की जैव नियंत्रण पद्धतियां (तमिल में),
- आंधी से टूटने वाले वृक्ष,
- टीक संवर्धन पद्धतियां (तमिल में)।

वी.वी.के. तथा डी.वी. के तहत क्रिया–कलाप

✠ उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा वन विज्ञान केन्द्र, कोरापुट, ओडीसा में निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये :

- वन रोपणियों तथा वृक्षारोपणों के कीटों तथा रोगों का समन्वित प्रबन्धन, दिनांक 3 नवम्बर 2015।
- उन्नत नर्सरी, बीज प्रौद्योगिकी, वृक्ष सुधार तकनीक पर प्रशिक्षण, दिनांक 4 नवम्बर 2015।
- कृषि वानिकी पर प्रशिक्षण, दिनांक 5 नवम्बर 2015।
- भा.वा.अ.शि.प. द्वारा विकसित अनुसन्धान निष्कर्षों के विस्तार हेतु नेटवर्क का सशक्तिकरण पर आयोजित कार्यशाला–सह–प्रशिक्षण कार्यक्रम, दिनांक 4 एवं 5 नवम्बर 2015।

✠ शु.व.अ.सं., जोधपुर ने 20 जुलाई 2015 को ग्राम बावर्ली, पंचायत समिति बालेसर (जोधपुर) में आयोजित खरीफ किसान सम्मेलन में भाग लिया।

✠ व.व.अ.सं., जोरहाट तथा फील्ड्स (मणिपुर आधारित गैर सरकारी संगठन) के बीच मणिपुर के सेनापति जिले में प्रदर्शन ग्राम स्थापित करने के लिए 1 अक्टूबर 2015 को सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।

- जम्मू–कश्मीर वन विभाग के कार्यक्षेत्रीय कर्मियों के लाभ के लिए हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा राज्य वन विभाग, जम्मू के सक्रिय सहयोग से 12 दिसम्बर 2015 को वन विज्ञान केन्द्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राजभाषा समाचार

- भा.वा.अ.शि.प. में 7 से 14 सितम्बर 2015 तक हिन्दी सप्ताह मनाया गया। हिन्दी सप्ताह के समापन समारोह का आयोजन 14 सितम्बर 2015 को किया गया। इस अवसर पर महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. ने कहा कि हिन्दी का मूल स्रोत संस्कृत है जो हमारी संस्कृति का स्रोत भी है। समापन समारोह में 100 से अधिक, वैज्ञानिक तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

हिन्दी सप्ताह के समापन समारोह के अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित करते हुये महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प.

- का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू ने 14 से 28 सितम्बर 2015 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया।
- व.व.अ.सं., जोरहाट में 8 से 15 सितम्बर 2015 तक हिन्दी सप्ताह उल्लासपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर व.व.अ.सं., जोरहाट के वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा स्टॉफ के लिए 10 सितम्बर 2015 को **बांस और इसके अनुप्रयोग** पर प्रस्तुतीकरण किया गया।
- शु.व.अ.सं., जोधपुर में 14 से 28 सितम्बर 2015 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया।
- हि.व.अ.सं., शिमला में 14 से 28 सितम्बर 2015 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया।
- उ.व.अ.सं., जबलपुर में 14 से 30 सितम्बर 2015 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया।
- व.उ.सं., रांची में 01 से 15 सितम्बर 2015 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया।
- भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने 15 अक्टूबर 2015 को हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें 30 से अधिक कर्मियों ने भाग लिया।

उप महानिदेशक (विस्तार), भा.वा.अ.शि.प., देहरादून, राजभाषा प्रशिक्षण कार्यशाला में व्याख्यान देते हुये

- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर में 15 दिसम्बर 2015 को **द्विभाषी रूप में टिप्पण एवं मसौदा लेखन** विषय पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 9 दिसम्बर 2015 से अंग्रेजी के समान भा.वा.अ.शि.प. की हिन्दी वेबसाईट को चालू किया गया।

राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग

राष्ट्रीय

- भा.वा.अ.शि.प., देहरादून तथा ग्रीन इनीसियेटिव प्रमाणीकरण एवं निरीक्षण निकाय (जी.आई.सी.आई.ए.), नोयडा (उ.प्र.) द्वारा 19 अक्टूबर 2015 को सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।
- हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा सेंट बेडेज कॉलेज के साथ 9 दिसम्बर 2015 को सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये ।
- अनुसन्धान सहभागिता तथा सहयोग के लिए 14 दिसम्बर 2015 को व.व.अ.सं., जोरहाट तथा राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान, उत्तर–पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी के बीच सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।
- व.व.अ.सं., जोरहाट तथा जी.बी. पंत हिमालयी पर्यावरण एवं विकास संस्थान, अल्मोड़ा के बीच अनुसन्धान सहभागिता तथा सहयोग के लिए 31 दिसम्बर 2015 को सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।
- शु.व.अ.सं., जोधपुर तथा राजस्थान राज्य वन विभाग, जयपुर के बीच प्रस्तावित परियोजना **राजस्थान की वृक्ष प्रजातियों के विकास हेतु पौधशाला मैन्युअल** हेतु सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।
- मेसर्स वर्षा जैव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, भारत प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद तथा व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर के बीच एस.बी.आई.आई.आर.आई. (डी.बी.टी.) के स्वीकृत बजट के सम्बन्ध में एक परियोजना हेतु संघटन ज्ञापन (एम. ओ ए.) पर हस्ताक्षर किये गये।
- शु.व.अ.सं., जोधपुर द्वारा राजस्थान राज्य न्यायिक अकादमी, जोधपुर के लिए शहरी वानिकी विकास मॉडल के अभिकल्प, विकास तथा निष्पादकता हेतु सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।

अन्तर्राष्ट्रीय

- मलेशिया वानिकी अनुसन्धान एवं विकास बोर्ड तथा भा.वा.अ.शि.प. के बीच विभिन्न अनुसन्धान गतिविधियों एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ–साथ प्रशिक्षण एवं क्षमता वृद्धि आदि के सम्बन्ध में समझौता ज्ञापन, अनुमोदन हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजा गया है।
- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर की बाह्य सहायता प्राप्त परियोजना **भारत में प्रिक्ली एकेशिया की खोज हेतु नये जैव नियंत्रण सुअवसर** जो कृषि, मत्स्य तथा वानिकी विभाग, ऑस्ट्रेलिया के साथ जारी है, के विस्तार हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने जून 2016 तक के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी है।

विश्वविद्यालयों का प्रत्यायन

- विश्वविद्यालयों द्वारा दी गई मूल्यांकन रिपोर्ट को दुबारा जांचने के लिए भा.वा.अ.शि.प. की मूल्यांकन समिति ने तीन विश्वविद्यालयों का दौरा किया एवं दो विश्वविद्यालयों से वानिकी पाठ्यक्रम के प्रत्यायन हेतु प्रस्ताव मांगे गये हैं।
- एन.टी.एफ.पी. नेटवर्किंग परियोजना के तहत चार विश्वविद्यालयों के लिए निधि अवमुक्त करने हेतु आदेश जारी किये गये हैं।

वृक्ष उत्पादकों का मेला/किसान मेला

- शु.व.अ.सं., जोधपुर ने प्रेस सूचना ब्यूरो, जोधपुर द्वारा जिला जालौर के उम्मेदपुर गांव में 2 से 4 सितम्बर 2015 तक आयोजित **जन सूचना अभियान** में भाग लिया।
- शु.व.अ.सं., जोधपुर 24 सितम्बर 2015 को केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसन्धान संस्थान, जोधपुर में आयोजित **किसान मेला** में भाग लिया।
- व.व.अ.सं., जोरहाट ने क्षेत्रीय कृषि अनुसन्धान केन्द्र, तिताबोर, असम में **किसान मेला** में 6 नवम्बर 2015 को प्रदर्शनी में भाग लिया।
- का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू तथा भारतीय चन्दन काष्ठ सोसाइटी द्वारा संयुक्त रूप से का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू में 7 नवम्बर 2015 को **चन्दनकाष्ठ उत्पादकों की बैठक** आयोजित की गई। मेले में करीब 250 किसानों ने भाग लिया।

का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू तथा भारतीय चन्दन काष्ठ सोसाइटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित चन्दन काष्ठ उत्पादकों की बैठक

- का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू ने यू.ए.एस., बंगलुरू द्वारा आयोजित **कृषि मेला 2015** में भाग लिया।
- व.व.अ.सं., जोरहाट ने गन्ना अनुसन्धान केन्द्र, बुरालिक्सन, असम कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 21 नवम्बर 2015 को आयोजित **किसान मेला** में भाग लिया।
- उ.व.अ.सं., जबलपुर ने 11 से 15 दिसम्बर 2015 तक **अन्तर्राष्ट्रीय हर्बल मेला**, भोपाल में भाग लिया।

डॉ. अश्वनी कुमार, भा.व.से., महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. द्वारा भा.वा.अ.शि.प. के संस्थानों का दौरा

- व.जै.सं., हैदराबाद 19 अगस्त 2015 – प्रशिक्षण एवं कार्यशाला केन्द्र के उद्घाटन हेतु।
- 21 से 24 सितम्बर 2015 तक, हि.व.अ.सं., शिमला तथा उसके कार्यक्षेत्रीय अनुसन्धान केन्द्रों का दौरा किया। उन्होंने संस्थान के परिसर में एम.डी. चतुर्वेदी बहुउद्देश्यीय प्रशिक्षण काम्पलेक्स में नव स्थापित **इंटरप्रेटेशन केन्द्र** का उद्घाटन किया।
- 15 से 16 अक्टूबर को का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू का दौरा किया जहां उन्होंने संस्थान के अनुसन्धान कार्यक्रमों की समीक्षा की और सभी हितधारकों के लाभ के लिए अनुसन्धान को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

महानिदेशक, भा.व.आ.शि.प. का का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू का दौरा

- 17 अक्टूबर 2015 को व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर।
- 26 से 28 अक्टूबर 2015 तक शु.व.अ.सं. का दौरा किया जहां उन्होने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2015 का उद्घाटन किया।

महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. द्वारा व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर का दौरा

संरक्षक :
डॉ. अश्वनी कुमार, महानिदेशक

सम्पादक मण्डल :
श्री शैवाल दासगुप्ता, उप महानिदेशक (विस्तार)
अध्यक्ष
श्री राजा राम सिंह, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग)
मानद सम्पादक
श्री रमाकान्त मिश्र, वैज्ञानिक–बी (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग)
सदस्य

प्रत्याख्यान
"वानिकी समाचार" में प्रकाशित सामग्री सम्पादक मण्डल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।

प्रेषक :
श्री राजा राम सिंह
सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार)
विस्तार निदेशालय, भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद्
पो.ओ. न्यू फॉरेस्ट, देहरादून – 248 006
ई–मेल : adg_mp@icfre.org
दूरभाष : 0135–2755221, फैक्स : 0135–2750693